उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परीक्षा, 2015-16

विषय : हिंदी (कोर) कक्षा : XII

अधिकतम अंक : 100 समय : 3 घंटे

1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: आत्मविश्वासी मनुष्य लक्ष्य केन्द्रित होता है। उसका ध्यान अर्जुन की तरह, साधना एकलव्य की तरह और निर्भीकता कर्ण की तरह होती है। मनुष्य को सदैव इस मंत्र का जाप करना चाहिए कि मैं कुछ भी कर सकता हूं। यदि हमें प्रगति करनी है तो 'आत्म दीपो भव' के सिद्धांत को स्वीकारना होगा। अर्थात अपना दीपक स्वयं बनो। 'अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काज' की भावना रखने वालों को जानना चाहिए कि भाग्यवादिता और आलस्य ऐसे दुर्गण हैं जो व्यक्ति को थोथा चना बना देते हैं। यह तो स्वयं हमें सोचना है कि हमें कुलदीपक बनना है। जो लोग सदैव अवसर की प्रतीक्षा करते रहते हैं, अवसर उनके पास आकर निकल भी जाता है, फिर भी वे उसकी दस्तक को नहीं पहचानते। ऐसे भाग्यवादियों से तो राम ही बचाए। साहस और मजबूत विचार शक्ति मनुष्य को सफलता दिलाती है और कायरता तथा हिचक मनुष्य को असफलता की ओर धकेल देती है। अतः उठो, अपने कर्म में रत् हो जाओ, अकर्मण्यता को त्याग दो हम अपना भविष्य बना सकते हैं। आवश्यकता है कि अपना लक्ष्य तय करके पूर्ण संयम, निष्ठा, कर्मण्यता और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ें। हमें दृढता का संकल्प लेना होगा। उपयोगी लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अथक परिश्रम करना होगा। सुख–सुविधाओं का त्याग करना पड़ेगा। हमें सफलता प्राप्त करने से पहले युद्ध से गुजरना पड़ता है। सफलता कभी भी भाग्य और घटनाओं का विषय नहीं होती बल्कि यह सशक्त विचार शक्ति और कठिन परिश्रम पर निर्भर करती है। इसलिए हमें जीवन में लक्ष्य के प्रति आशान्वित होना चाहिए और सही निर्णय करना चाहिए। यह व्यक्ति की चारित्रिक दृढ़ता को भी दिखाता है। हमारी सोचने की शक्ति, आदत, सहनशीलता, कार्यशक्ति तथा साहस सभी कुछ हमारी कर्तव्यपरायणता से लक्षित होता है। जो अपनी इन्द्रियों को जीते उसे जितेन्द्रीय कहते हैं और जो सफलता प्राप्त करे वही विजयी होता है।	15
	(क) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।	1
	(ख) अर्जुन, कर्ण और एकलव्य की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए	2
	(ग) 'आत्म दीपोभव' का सिद्धांत क्या है?	2
	(घ) भाग्यवादी सफल क्यों नहीं हो पाते?	2
	(ड.) सफलता प्राप्त करने वाले व्यक्ति की क्या पहचान होती है?	2
	(च) युद्ध से गुजरने का क्या अभिप्राय है?	2
	(छ) किन जीवन मूल्यों के आधार पर हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं?	2
	(ज) सशक्त विचार शक्ति और कठिन परिश्रम से आप क्या समझते हैं?	2
2	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: साँस चलती है तुझे चलना पड़ेगा ही मुसाफिर। चल रहा है तारकों का दल गगन में गीत गाता,	1x5=5

	चल रहा आकाश भी है शून्य में भ्रमता–भ्रमाता, पाँव के नीचे पड़ी अचला नहीं, यह चंचला है, एक कण भी, एक क्षण भी एक थल पर टिक न पाता शक्तियाँ गति की तुझे सब ओर से घेरे हुए है, स्थान से अपने तुझे टलना पड़ेगा ही मुसाफिर। साँस चलती है तुझे चलना पड़ेगा ही मुसाफिर। थे जहाँ पर गर्त पैरों को जमाना ही पड़ा था, पत्थरों से पाँव के छाले छिलाना ही पड़ा था, घास मखमल सी जहाँ थी मन गया था लोट सहसा, थी घनी छाया जहाँ पर तन जुड़ाना ही पड़ा था, पग परीक्षा, पग प्रलोभन जोर कमजोरी भरा तू इस तरफ डटना उधर ढलना पड़ेगा ही मुसाफिर। (क) कवि ने मुसाफिर किसे कहा है और क्यों? (ख) धरती को अचला नहीं चंचला क्यों कहा गया है? (ग) साँस चलने से कवि का क्या आशय है? (घ) घास मखमल सी जहाँ थी मन गया था लोट सहसा– पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। (ड.) काव्यांश का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।	
	खंड–ख	
3	निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिएः (क) मेरे सपनों का देश (ख) विज्ञापन का सच (ग) समाज में बढ़ती अराजकता (घ) हिन्दीः जीवन मूल्य	5
4	आपके नगर में चिकित्सालयों की कमी से आम लोगों को होने वाली परेशानी की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य विभाग के सचिव को पत्र लिखिए। अथवा सरकारी स्कूलों में गिरते शिक्षा के स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र लिखिए।	5
5	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिएः	1X5

	(क) प्रिंट मीडिया की दो विशेषताएँ लिखिए। (ख) भारत में पहला समाचार पत्र कौन और कहाँ प्रकाशित हुआ। (ग) पीत पत्रकारिता से क्या आशय है? (घ) फ्रीलांसर पत्रकार किसे कहते हैं? (ड.) एंकर बाइट किसे कहते हैं?	
6	'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' विषय पर एक आलेख तैयार कीजिए। अथवा हाल ही में पढ़े किसी 'कहानी–संग्रह' की समीक्षा लिखिए।	5
7	'किसानों की बढ़ती समस्या' विषय पर एक फीचर तैयार कीजिए।	5
	खंड–ग	
8	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: जिंदगी में जो कुछ है,जो भी है सहर्ष स्वीकारा है, इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है वह तुम्हें प्यारा है। गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब यह विचार वैभव सब दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह, अभिनव सब मौलिक है, मौलिक है इसलिए कि पल–पल में जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है संवेदन तुम्हारा है। (क) कवि जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को सहर्ष क्यों स्वीकार करता है? (ख) गरीबी के लिए प्रयुक्त विशेषण का औचित्य और सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए (ग) कवि किसे मौलिक और नवीन मानता है तथा क्यों? (घ) 'जो कुछ भी मेरा है वह तुम्हें प्यारा है' – इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। अथवा अट्टालिका नहीं है रे आतंक–भवन सदा पंक पर ही होता जल–विप्लव–प्लावन, क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से सदा छलकता नीर, रोग–शोक में भी हंसता है शैशव का सुकुमार शरीर। (क) कवि ने अट्टालिका को आतंक–भवन क्यों कहा है? (ख) क्षुद्र प्रफुल्ल जलज– क्यों कहा गया है? (ग) सदा पंक पर ही होता जल विप्लव प्लावन – का भाव स्पष्ट कीजिए। (घ) रोग–शोक किसे दुखी नहीं कर पाते और क्यों?	2x4=8
9	निम्नलिलिखत काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे भोर का नभ	2x3=6

	राख से लीपा हुआ चौका (अभी गीला पड़ा है) बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से कि जैसे घुल गई हो। (क) काव्यांश का भाव सौन्दर्य लिखिए। (ख) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए। (ग) भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।	
10	निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिएः (क) 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (ख) 'सही बात का सही शब्द से जुड़ना' क्यों जरूरी है?'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (ग) छोटे चौकोने खेत को कागज का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है?	3+3=6
11	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः सेवक धर्म में हनुमानजी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है–नाम है लछिमन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बंध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने–अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नहीं। क) भक्तिन के संदर्भ में हनुमान जी का उल्लेख क्यों हुआ है ? ख) भक्तिन के नाम और उसके जीवन में क्या विरोधाभास था । ग) वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है --- कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । घ) लेखिका ने भक्तिन को समझदार क्यों माना है ?	2x4=8
12.	निम्नलिखित में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : क) बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है ? ख) इंदर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है ? नदियों का भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्त्व है ? ग) पहलवान की ढोलक की उठती-गिरती आवाज बीमारी से दम तोड़ रहे ग्रामवासियों में संजीवनी का संचार कैसे करती है ? उत्तर दीजिए घ) लेखक ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा और क्यों ? ङ) नमक कहानी में भारत व् पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है, कैसे ?	3x4=12
13.	'जूझ' कहानी किशोर-किशोरियों को प्रेरणा देने वाली सफल कहानी है - इस कथन के संदर्भ में उन जीवन-मूल्यों को रेखांकित कीजिए जो उन्हें प्रेरित करेगी ।	5
14	क) कैसे कहा जा सकता है कि सिन्धु-घाटी कि सभ्यता एक लो-प्रोफाइल सभ्यता थी ?	5

	पाठ के आधार पर लिखिए । ख) यशोधर बाबू का व्यक्तित्व द्‌वंद्‌व भावना से ग्रस्त है - पक्ष या विपक्ष में दो तर्क लिखिए ।	5

विषय : हिंदी 'केन्द्रिक' अंक योजना

प्रश्न	'मूल्यांकन संकेत बिन्दु'	अंक
1.	क) सफलता का रहस्य (अन्य उपयुक्त शीर्षक स्वीकार्य) ख) एकाग्रता,साधना तथा निर्भीकता ग) - अपना दीपक स्वंय बनो - जीवन को अपनी आत्मा के प्रकाश में देखना चाहिए । घ) - अवसर की प्रतीक्षा करते हैं - अवसर का उन्हें पता नहीं चलता ङ) - साहस और विचार शक्ति - कायरता को त्याग कर च) संघर्ष, कठिनाई तथा खतरे से गुजरे बिना सफ़लता प्राप्त नहीं छ) - साहस - परिश्रम - शक्ति तथा सहनशीलता आदि । ज) - लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विचार पर अडिग रहना - साहस के साथ परिश्रम करना आदि	1 2 2 2 2 2 2 2
2.	क) मनुष्य को, क्योंकि जीवन एक रास्ता है, जिस पर मनुष्य को संभलकर चलना चाहिए । ख) धरती सदैव अपने अक्ष पर घूमती रहती है, वह स्थिर नहीं रहती । ग) जीवन में बने रहना, जीवित रहना घ) आराम मिलते ही आलस्य से घिर जाना । ङ) मनुष्य को सदैव कर्मशील बने रहना चाहिए । परिश्रम और साहस के साथ अपने कर्मपथ पर अग्रसर रहना चाहिए ।	1 1 1 1 1
3.	खंड - ख भूमिका - 1 विषयवस्तु - 3 भाषा - 1	5
4.	आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 2 विषयवस्तु - 2 भाषा - 1	5
5.	क) संग्रहणीय होता है	1

	साहस के रूप में प्रस्तुत विस्तार से पढ़ा जा सकता है । ख) उदंत मार्तंड, कलकत्ता से ग) सनसनीखेज एवं किसी विशेष व्यक्ति का मान हनन करने वाली पत्रकारिता । घ) भुगतान के आधार पर काम करने वाला पत्रकार ङ) घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को एंकर बाइट कहते हैं ।	1 1 1 1
6.	विषयवस्तु - 3 प्रभाव - 1 भाषा - 1	5
7.	विषयवस्तु - 3 प्रभाव - 1 भाषा - 1	5
8.	क) - कवि को अपने जीवन से प्यार है । - उसके पास जो कुछ है, सब उसे सहर्ष स्वीकार करना चाहिए । ख) - गरबीली विशेषण स्वाभिमान का प्रतीक - इस शब्द के प्रयोग से गरीबी शब्द गौरव मंडित होता है । ग) - भाव, विचार तथा अभिव्यक्ति को कवि मौलिक मानता है । - किसी से उधार नहीं लिया गया है, इसलिए कवि को अभिमान है । घ) - कवि से जो स्नेह रखता है । वह उसके विचार से भी स्नेह रखता है - जो कवि का है वह उस व्यक्ति का भी है । अथवा क) अट्टालिका - शोषक का प्रतीक शोषण करने की योजना यहीं बनती है । सर्वहारा वर्ग का शोषण होता है । ख) कीचड़ मे रहने वाला कमल सदा प्रसन्न दिखता है । ग) क्रांति किसान मजदूरो के द्वारा ही आरंभ होती है और सामाजिक बदलाव भी होता है । घ) शोषित वर्ग को । वे इसके आदि होते है । उनके जीवन का एक अंग होता है ।	2x4 = 8 2 2 2 2
9.	क) समय के साथ आकाश के रंग का बदलना विभिन्न उपमाओं के द्वारा दृश्य को बताना । ख) उत्पेक्षा अलंकार (उदहारण अपेक्षित) ग) खड़ी बोली अलंकार का प्रयोग दृश्य और गतिशील बिम्बों का प्रयोग ।	2 2 2

	प्रतीक योजना	
10.	क) समय के एहसास के सात लक्ष्य को प्राप्त करना । बीता वक्त वापस नहीं आता । कर्मरत रहकर मंजिल को प्राप्त करना चाहिए । ख) बात और भाषा जुड़े होते हैं । भाषा के दुरूपयोग से अर्थ स्पष्ट नहीं होता बात की स्पष्टता के लिए सही भाषा का चुनाव आवश्यक । ग) कवि को कागज का पन्ना छोटे चौकोर खेत की तरह लगता है । काग़ज के पन्नो पर कवि भावभिव्यक्ति रुपी बीजो को शब्दों के माध्यम से बोता है ।	3+3=6
11.	क) जिस प्रकार हनुमान जी स्वामी भक्त थे, वैसे ही लक्ष्मी भी स्वामी भक्त थी ख) भक्तिन का नाम - लक्ष्मी लेकिन जीवन घोर अभाव मे बीता । ग) जीवन मे नाम के साथ विरोधाभास देखने को मिलता है । सेठ - गरीब का नाम, अमीरचंद - गरीब, गरीबदास अमीर, इसी प्रकार लक्ष्मी भी । घ) वह अपना लक्ष्मी नाम किसी को नहीं बताती । सबको भक्तिन नाम का ही पता है ।	2x4=8
12.	क) - जेब भरी रहने पर बाजार अपना जादू दिखाता है । बाजार की सभी वस्तुएँ उपयोगी तथा आरामदायक लगती है । - जादू उतरने पर वही वस्तु दुःख देती है । जो हमने आराम के लिए ख़रीदी थी । ख) - गंगा मैया को सबसे पवित्र नदी माना गया है । गंगा का नाम प्रत्येक धार्मिक कार्य में प्रयोग किया जाता है । - गंगा जल से मोक्ष प्राप्त - धार्मिक स्थल, विद्या का केंद्र - अन्न उत्पत्ति का कारण आदि । ग) - ढोलक की आवाज सुनकर बीमार लोगो में हिम्मत पैदा होती । - उनमें संजीवनी शक्ति का संचार होता - स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में बिजली दौड़ जाती थी । घ) राजकपूर ने अपना कर एक साहसी प्रयोग दिलीप कुमार, देवानंद, शम्मी कपूर आदि द्वारा अभिनीत फिल्मों पर चार्ली का प्रभाव ङ) सिख बीबी द्वारा साफिया से नमक लाने की फरमाइश । कस्टम अधिकारियों से छुपाकर नमक लाना चाहती है, लेकिन कस्टम अधिकारी नमक देखकर भी विरोध नहीं करता । उसे अपने वतन के प्रति मुहब्बत ।	3x4 = 12

	नमक मंगवाना अपने वतन से मुहब्बत ।	
13.	साहस, परिश्रम, विनम्रता तथा निष्ठा आदि जीवन मूल्यों के संदर्भ में विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति स्वीकार्य	5
14.	क) हड़प्पा संस्कृति में राज प्रासाद, मंदिर आदि भव्य नहीं ।राजाओं का समाधियाँ नहीं औजार, मूर्तिशिल्प आदि छोटे आदि । लघुता में महता अनुभव करने वाली संस्कृति । ख) पक्ष और विपक्ष में तर्क के साथ अभिव्यक्ति स्वीकार्य ।	5 5